ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-11-2022

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-11-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-11-26	2022-11-27	2022-11-28	2022-11-29	2022-11-30
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	29.0	28.0	28.0	27.0
न्यूनतम तापमान(से.)	10.0	10.0	9.0	9.0	8.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	19	17	15	15	15
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	9	8	7	8	8
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	3.0	6.0	9.0	10.0
पवन दिशा (डिग्री)	97	131	98	81	77
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में मौसम साफ रहने की सम्भावना है। आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 27.0 से 29.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 8.0 से 10.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

जिन किसानों नें गेहूं, जौ, जीर व ईसबगोल की बुवाई अभी तक नही की है जल्द से जल्द उन्नत किस्मों की बुवाई करें ।

लघु संदेश सलाहकार:

गेहूं की फसल को अनावृत्त कंडवा रोग से बचाव हेतू बुवाई से पूर्व बीजों को विटावैक्स नामक दवा 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
जीरा	जीरे की बुवाई के लिए उपयुक्त समय है, बुवाई हेतु RZ-19, RZ-209, GG-4 व RZ-223 उन्नत किस्में है। बीज की मात्रा 12-15 किलो ग्राम प्रति हैक्टेयर रखें। नत्रजन 15 किलो, फास्फोरस 20 किलो एंव पोटाश 15 किलो उर्वरक प्रति हैक्टेयर की दर से आखिरी जुताई के समय दें। बीज को ट्राइकोडर्मा विरिडे @ 10 ग्राम / किग्रा बीज और एज़ोटोबैक्टर और पीएसबी (बायोफर्टिलाइज़र) @ 600 ग्राम / हेक्टेयर बीज से उपचारित करें।
जीरा	फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए पेण्डीमिथालिन एक किलो सक्रिय तत्व प्रति हैक्टेयर की दर से बुवाई के बाद अंकुरण से पूर्व प्रयोग करें।
जीरा	जीरे की बुवाई के तुरन्त बाद एक हल्की सिंचाई करें तथा दूसरी सिंचाई 6-7 दिन पशचात करें।
गेहूँ	जिन किसानों नें गेहूं की बुवाई अभी तक नही की है। राज-4120, एच.डी-2969, के.एल.आर-210, राज-4238, राज-3077, राज-3777, राज-4037, राज-1482 व डब्ल्य.एच-147 उन्नत किस्मों की बुवाई करें।
सरसों	समय पर बोई गई सरसों में 30 दिन की फसल पर सिंचाई करें तथा इसी समय 30 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से दें।